

एनबीएफसी के लिये आउटसोर्सिंग से संबंधित नए नरिदेश

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय रजिस्टर बैंक ने एनबीएफसी (Non-banking financial companies) द्वारा आउटसोर्सिंग के ज़रिये प्रदान की जाने वाली वित्तीय सेवाओं में जोखिमों के प्रबंधन और नयिमावली के संबंध में नए नरिदेश जारी किये हैं और अगले दो महीनों में इन नयिमों का पालन सुनिश्चित किया जाना तय किया गया है।

क्या हैं नए नरिदेश?

- गैर-बैंकगि वित्तीय कंपनियौं (एनबीएफसी) अपने ग्राहकों के लिये केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) मानदंड तय करना, ऋण की मंजूरी देना, नविश पोर्टफोलियो का प्रबंधन करना और 'इंटरनल ऑडिट' (internal audit) जैसे 'कोर प्रबंधन' कार्यों को आउटसोर्स नहीं कर सकती हैं।
- एनबीएफसी को एक शिकायत नविवारण व्यवस्था (grievance redressal machinery) के गठन के लिये कहा गया है।
- साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिये कि एनबीएफसी की शिकायत नविवारण मशीनरी आउटसोर्स एजेंसी द्वारा प्रदान की गई सेवाओं से संबंधित मामले भी नपिटायणी।
- वित्तीय सेवा प्रदाताओं की संदगिध गतविधियौं पर नज़र रखने और वित्तीय लेन-देन की रपिर्ट बनाने के दायित्व का पालन एनबीएफसी को ही करना होगा।

गैर-बैंकगि वित्तीय कंपनियौं (एनबीएफसी) क्या हैं?

- गैर-बैंकगि वित्तीय कंपनी उस संस्था को कहते हैं जो कंपनी अधनियिम 1956 के अंतरगत पंजीकृत है और जिसका मुख्य काम उधार देना तथा वभिन्न प्रकार के शेयर्स, प्रतभूतयौं, बीमा कारोबार तथा चटिफंड से संबंधित कार्यों में नविश करना है।
- गैर बैंकगि वित्त कंपनियौं भारतीय वित्तीय प्रणाली में महत्त्वपूर्ण स्थान रखती हैं। यह संस्थाओं का वजातीय समूह है (वाणजियिक सहकारी बैंकों को छोड़कर) जो वभिन्न तरीकों से वित्तीय मध्यस्थता का कार्य करता है जैसे:

- ◆ जमा स्वीकार करना।
- ◆ ऋण और अग्रमि देना।
- ◆ प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप में नधियौं जुटाना।
- ◆ अंतमि व्यय कर्त्ता को उधार देना।
- ◆ थोक और खुदरा व्यापारयौं तथा लघु उद्योगों को अग्रमि ऋण देना।

'प्रणालीगत रूप से महत्त्वपूर्ण गैर-बैंकगि वित्तीय कंपनियौं'?

- जनि गैर-बैंकगि वित्तीय कंपनियौं की परसिंपत्तयौं का आकार पछिले लेखापरीक्षा के अनुसार 100 करोड़ रुपए या उससे अधिक हो उन्हें प्रणालीगत रूप से महत्त्वपूर्ण गैर-बैंकगि वित्तीय कंपनियौं माना जाता है।
- इस प्रकार से वर्गीकरण किये जाने का तर्क यह है कि इन गैर-बैंकगि वित्तीय कंपनियौं की गतविधियौं का हमारे देश की वित्तीय-स्थरिता पर अत्यधिक प्रभाव देखने को मलिया।